तत्काल लें बिजली बिल माफी का निर्णय

तेजराव वानखड़े के नेतृत्व में रिपाई का 'गोंधल-जागरण' आंदोलन का इशारा ▶▶आम नागरिकों को आर्थिक संकट से राहत दिलाने की मांग

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

वाशिम- लॉकडाऊन की कालावधि में महावितरण ने आम नागरिकों को बिना रीडिंग लिए भारी भरकम बिजली बिल भेज दिए हैं. पहले ही आर्थिक संकट का सामना कर रहे नागरिकों के पास बिल भरने के लिए पैसे नहीं है. महावितरण की इस तुगलकी नीति के खिलाफ रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आवाज उठाएगी. जल्द से जल्द बिजली बिल माफी का निर्णय नहीं लिया तो रिपाई द्वारा गोंधल जागरण आंदोलन कर सोई हुई सरकार को जगाया जाएगा. ऐसा इशारा रिपाई जिलाध्यक्ष तेजराव वानखड़े ने दिया है.बिजली बिल माफी की मांग करने वाला ज्ञापन 29 जुलाई को मुख्यमंत्री को सौंपा गया था. लेकिन उस पर सरकार ने कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए. आर्थिक परेशानी झेल रहे नागरिकों के बिजली बिल तुरंत माफ करने की जरुरत है. गत 24 मार्च से लागू किए गए लॉकडाऊन से रोजगार तथा उद्योग, व्यवसाय प्रभावित हुए हैं. 1 अप्रैल से सरकार ने बिजली दरों में मनमानी तरीके से वृद्धि की है. 0 से 100 यूनिट बिजली के स्लैब में भी बढ़ोतरी कर राज्य की जनता के साथ अन्याय किया है. रीडिंग किए बिना भारी भरकम बिजली बिल भेजकर महावितरण ने गरीब नागरिकों को बिजली का शॉक दिया है. ऐसे बिल दुरुस्त करने के लिए महावितरण विशेष कक्ष शुरू करें और लॉकडाऊन की कालावधि के बिजली बिल माफ करें, ऐसी मांग रिपाई की ओर से लगातार की जा रही है. आम नागरिकों को संकट से राहत दिलाने के लिए बिजली बिल तुरंत माफ करें नहीं तो मजबूरन पार्टी को आंदोलनात्मक कदम उठाना पड़ेगा. ऐसा इशारा तेजराव वानखड़े ने देते हुए बिजली माफ नहीं किए तो संविधानात्मक तरीके से गोंधल जागरण आंदोलन कर सरकार को जगाने की चेतावनी दी गई है

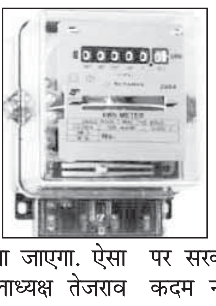

छह खरीदी केंद्रों पर सोयाबीन की आवक नहीं

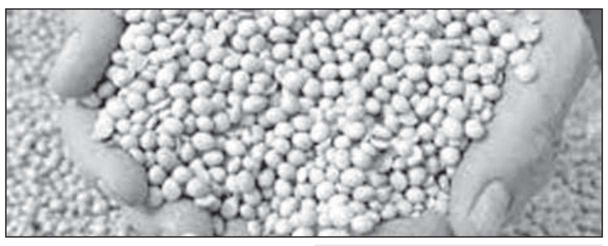

किसानों ने मुंह फेरा

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

अकोला- गारंटी मूल्य पर खरीद योजना के तहत सोयाबीन खरीदी के लिए जिले में छह स्थानों पर गारंटी मूल्य खरीदी केंद्र शुरु किए गए है. लेकिन गारंटी मूल्य से अधिक दाम बाजार में मिल रहे है, इस कारण जिले के गारंटी मूल्य केंद्रों पर सोयाबीन की आवक नहीं है. सोयाबीन की पैदावार लेनेवाले किसानों ने गारंटी मूल्य केंद्र की ओर मुंह फेर लिया है.

सरकार के गारंटी मूल्य खरीद योजना के तहत 3 हजार 880 रूपए प्रति क्विंटल के दाम पर सोयाबीन की खरीदी की जा रही है. गारंटी मूल्य पर सोयाबीन खरीद के लिए जिला मार्केटिंग अधिकारी कार्यालय द्वारा तीन तथा विदर्भ को ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा तीन खरीदी केंद्र शुरु किए गए है. 1 अक्टूबर से जिले में छह खरीदी केंद्र शुरू किए गए है. लेकिन गारंटी मूल्य के मुकाबले बाजार में सोयाबीन को अधिक दाम नहीं मिल रहे है.

जिले के छह गारंटी मूल्य केंद्रों पर अब तक सोयाबीन की आवक नहीं है. इसलिए सोयाबीन बिक्री के लिए जिले के किसानों ने गारंटी मूल्य की ओर मुंह फेर लिया है. फिलहाल अधिकतर किसान बाजार में सोयाबीन की बिक्री पर जोर दे रहे है.

जिले के गारंटी मूल्य केंद्र

जिले में सोयाबीन खरीदी के लिए जिला मार्केटिंग अधिकारी कार्यालय द्वारा पारस, बालापुर एवं पातुर इन तीन स्थानों पर गारंटी मूल्य केंद्र शुरु किए गए है. वहीं विदर्भ को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा अकोला, अकोट तथा मुर्तिजापुर आदि तीन स्थानों पर गारंटी मूल्य केंद्र शुरू किए गए है.

वाशिम जिले में ठंड ने दी दस्तक

बच्चे व बुजुर्ग सावधानी बरतें

संवाददाता, 20 नवंबर

मंगरूलपीर- मंगरूलपीर शहर सहित जिले में ठंड ने दस्तक देनी शुरु कर दी है. सुबह और शाम को हल्की सिहरन महसूस होने लगी है. खासकर तहसील के ग्रामीण इलाकों में फिलहाल ठंड का एहसास ज्यादा हो रहा है, हालांकि दिन भर धूप खिली रहने के कारण अधिकतम व न्यूनतम पारे में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है. जंगल क्षेत्र के इलाकों में न्यूनतम पारा ग्राम कोलंबी व आसपास के इलाकों से 2 से 3 डिग्री कम रह रहा है.सोमवार को ग्राम कोलंबी में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियम दर्ज किया गया है. वहीं, अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री तक भी आ गया है. ठंड से बचने के लिए सुबह और शाम को लोग अब हल्के गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं. मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक अधिकतम व न्यूनतम तापमान इसी तरह बना रहेगा. मंगरूलपीर शहर के एक निजी चिकित्सक डॉ. नौशाबा फरहीन ने इस बदलते मौसम में स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की सलाह दी है. उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में खासकर सर्दी, खांसी व जुखाम का संक्रमण तेजी के साथ फैसला है. कोरोना काल में इस संक्रमण से बचने की जरूरत है. बच्चे और बुजुर्ग इस मौसम में अपना खास ख्याल रखें.

सुबह और शाम को गर्म पानी का सेवन करें. सुबह या रात में बाहर निकलें तो सुविधानुसार गर्म कपड़े जरूर पहनें. अभी दीपावली का त्यौहार आने वाला है. वातावरण में प्रदूषण का स्तर बढेगा. दमा व श्वास संबंधी रोगी अतिरिक्त सुरक्षा बरतें.

जिप स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों को नववर्ष से पूर्व मिलेगा प्रमोशन

सीईओ डॉ. पांचाल ने दिया भरोसा

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

यवतमाल- जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का प्रमोशन लंबित है, किंतु यह प्रक्रिया नववर्ष आरंभ होने से पूर्व पूरी करने का भरोसा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल ने दिया है.

महाराष्ट्र राज्य नर्सेस व आरोग्य कर्मचारी संगठन के साथ हुई चर्चा में सीईओ ने यह भरोसा दिलाया. विदित हो कि संगठन की ओर से मांगों को लेकर आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी गई थी. जिससे सीईओ ने संगठन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा उनकी समस्याएं सुलझाने का वादा किया. विदित हो कि जिला परिषद के स्वास्थ्य कर्मचारियों की कई समस्याएं लंबित हैं. इसमें स्टैपलेडर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाओं की नियुक्ति तथा प्रमोशन का भी समावेश है. प्रमोशन के पूर्व के आदेश में सुधार कर शीघ्र ही लाभ दिलाने का भरोसा सीईओ ने दिलाया. उन्होंने कहा कि इसके साथ ही प्रमोशन के लंबित मामलों का निपटारा भी किया जाएगा. इसके अलावा अवकाश, कार्यमुक्ति, पदों का समायोजन, तबादले, वेतन आदि लंबित मामले सुलझाने का वादा सीईओ पांचाल ने किया. इस चर्चा में भानुदास चरडे, सालवे, नेमीन चौधरी, सुरेश चव्हाण, मिलिंद चौधरी, सतीश दिघड़े, विक्रम खेड़ी, गणेश चिंडाले समेत संगठन की अध्यक्ष शुभांगी गावंडे, महासचिव अशोक जयसिंहपुरे, कल्पना श्यामसुखा, बबिता पाटिल, विजया चातारकर, पुरुषोत्तम शेणमारे, संगीता किनाके आदि शामिल हुए.

घोरपड़ की हत्या के मामले में 4 गिरफ्तार

संवाददाता, 20 नवंबर

आर्वी- तहसील के वाढोना में वन विभाग ने घोरपड़ की हत्या के मामले में 4 युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. इन चारों युवकों की वन विभाग के स्थानीय कार्यालय में लाते ही वाढोना के 40-50 लोगों की भीड़ वन विभाग के कार्यालय में पहुंच गई.नागरिकों का कहना था कि इस मामले में इन चारों का कोई दोष नहीं है. लेकिन फिर भी वन विभाग ने चारों को पकड़कर लाया है. वन विभाग के अधिकारी धमढेरे ने बताया कि घोरपड़ को मारने के मामले में पंजाब सनिसे (50),रामदास सावंत (60), सुरेश सावंत (40)को पूछताछ के लिए लाया गया है. इन चारों पर संदेह है कि इन्होंने घोरपड़ की हत्या की है. मामले की जांच अभी जारी है.

कोरोना संक्रमण काल में 970 प्रसूति की गई

संवाददाता, 20 नवंबर

आर्वी- उपजिला अस्पताल में कोरोना संक्रमण काल में 970 प्रसूति की गई. इसमें गर्भाशय और सीजर शल्यक्रिया 189 और 161 विविध प्रकार के ऑपरेशन किए गए है.

कोरोना संक्रमण काल में जितनी भी प्रसूति हुई है. इसमें से कोई भी केस कोरोना का नहीं पाया गया. वैद्यकीय अधीक्षक नंदकिशोर कोल्हे, डॉ. नीरज कदम की टीम ने कोरोना संक्रमण काल मे भी अस्पताल में उपचार की प्रक्रिया को प्रभावित नहीं होने दिया.

मरीजों की सेवा करने में वैद्यकीय अधिकारी डॉ. उज्जवल देवकाते, डॉ. गौरकर, डॉ. हेमंत खरासे, डॉ. सारिका तट्टे, डॉ. रूबिना, डॉ. संगीता पवार कार्यरत है.अस्पताल में एलोपैथी, होमियोपैथी, आयुर्वेदिक, युनानी, दंत विभाग, नेत्र विभाग सहित अन्य कई विभाग है. यहां पर डॉक्टरों की पर्याप्त टीम उपलब्ध होने के कारण अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरीजों की सेवा ठीक ढंग से करना संभव हो पाया है.

मौत के मुंह से लौटा नरेंद्र

अन्न नलिका में अन्नकण फंसने से रूक गई थी सांस

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

वर्धा- पल में खुशी और पल में दुःखों का पहाड़ कैसे टूट पड़ता है, इसका जीता-जागता किस्सा यदि सुनना तो हो नरेंद्र नाइक का परिवार बता सकता है.दिवाली के दूसरे दिन आर्वी तहसील के रसुलाबाद निवासी नरेंद्र नाइक का परिवार शाम को गोवर्धन पूजा की तैयारी में जुटा था. पूजा के बाद नरेंद्र भोजन करके उठा और अचानक जमीन पर गिर गया. यह देखते ही नाइक परिवार पर मानो बिजली टूट पड़ी. जोरों से चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने नाइक के घर की और दौड़ लगाई. पास से गुजर रहे सरपंच सावरकर ने भीड़ देखी और वे भी अंदर गए, हार्ट अटैक का मामला समझकर उन्होंने नागपुर मिहान के एम्स में कार्यरत अपने भाई डॉक्टर प्रशांत सावरकर को कॉल करके रसूलाबाद आने के लिए कहा जब तक डॉक्टर प्रशांत सावरकर रसुलाबाद पहुंचे. तब तक नाइक को होश आ गया था. डॉ. प्रशांत ने बताया कि भोजन के बाद नरेंद्र उठकर जब पानी पी रहे थे, तब अनाज का एक दाना उनकी श्वसन नलिका में फंस गया होगा. जिससे श्वसनयंत्रणा प्रभावित हई. लेकिन लगातार छाती पर हथेली से मलने और दबाव डालने के कारण नरेंद्र को होश आ गया. नरेंद्र को होश आने के बाद भी परिजनों की आंखो से खुशियों के आंसू रूकने का नाम नहीं ले रहे थे. परिवार के सभी सदस्य भगवान का शुक्रिया अदा करते देखे गए.

फ्लाइंग कलर्स फाउंडेशन ने दिलाया रोजगार

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

अकोला- लॉकडाउन की वजह से आम नागरिकों को जहां एक तरफ अनेक समस्याओं का सामना करना पडा वहीं दूसरी तरफ बहुत से लोगो ने अपना रोजगार खो दिया और आज भी वह बेरोजगारी की जिंदगी गुजारने पर मजबूर है. इसे देख कर स्थानीय प्रसिध्द संस्था फ्लाईंग कलर्स एजुकेशन फाउंडेशन ने रोजगार मुहिम शुरू की है. जिसमें जरूरमंद लोगो को रोजगार से लगाने मदद की जा रही है. संस्था अध्या डॉ. जुबेर नदीम ने कहा की जरूरतमंद लोगो को रोजगार दिलाने कई वस्तुएं जैसे सिलाई मशीन, साइकिल रिक्शा, हाथ गाडी आदि नागरिकों की संपूर्ण माहिती लेने के बाद उनकों दिला दी जा रही है ताकि वे दौबारा रोजागार के माध्यम से आय प्राप्त कर सके.

इस संदर्भ में 18 नवंबर को अकोट मे एक कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र राज्य उर्दू शिक्षक संघटना,शाखा, नगर पालीका अकोट द्वारा किया गया जिसमे प्रमुख वक्त सैयद जव्वाद हुसैन सर व डॉ. जुबेर नदीम ने फ्लाईंग कलर्स फाउंडेशन द्वारा चलाए जानेवाले रोजगार मुहिम व अनेक कार्यो के बारे मे जानकारी दी. सभी लोगो से मुहिम का हिस्सा बनने की अपील की. इस बीच एक जरूरतमंद को रोजगार उपलब्ध कराने सिलाई मशीन भी उनके घर जा कर दी गई. फ्लाईंग कर्लस फाउंडेशन द्वारा संचालित रोटी बैंक, कपडा बैंक, रिलीफ सेंटर और रोजगार मुस्त्रिम जैसे अनेक कार्यो को देखते हुए अकोट में उर्दू टीचर्स और सामाजिक कार्यकताओं ने भी अकोट शहर मे फ्लाईंग कलर्स फाउंडेशन की शाखा शुरू करने का संकल्प लिया.

इस मोके पर रोटी बैंक सदस्य रियाज खान, नदीम भाई के साथ महराष्ट्र राज्य उर्दू शिक्षक संघटना, अकोट नगर पालिका के तालुका अध्यक्ष मोहम्मद शाकीर सर, साजिद सर, वजहात अलीम सर, जहीर सर, शोएब सर, आसीफ सर , खालीद सर, अकील पटेल व अन्य उर्दू टीचर्स बडी संख्या मे उपस्थित थे.

स्कूलों में स्वास्थ्य, स्वच्छता व सुरक्षा पर दें ध्यान

कलेक्टर एम.देवेंदरसिंह के निर्देश

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

यवतमाल- जिले में 9वीं से 12वीं तक स्कूल शुरू करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं. स्कूल शुरू करने से पहले तथा शुरू होने के बाद कोरोना से बचने के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता व सुरक्षा पर ध्यान दें. स्कूल शुरू होने के बाद उचित सावधानी बरतें, ऐसे निर्देश जिलाधीश एम.देवेंदरसिंह ने शिक्षणाधिकारी, गुट शिक्षणाधिकारी व मुख्याध्यापकों को दिए. कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में वह बोल रहे थे. इस बैठक में सीईओ डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तरंगतुषार वारे, आरडीसी संगीता राठौड़, डीएचओ डॉ. हरि पवार, शिक्षणाधिकारी चवणे उपस्थित थे.

कलेक्टर सिंह ने कहा कि स्कूल में थर्मल स्कैनर, पल्स ऑक्सीमीटर, हैंडवॉश, पानी आदि की सुविधा रखें. शिक्षकों की कोरोना जांच के निर्देशों के अनुसार 40 प्रतिशत शिक्षकों की आरटीपीसीआर जांच हो चुकी है. शेष दो-तीन दिन में पूर्ण होगी. ज्यादा आयु वाले तथा लक्षण पाए जाने वाले शिक्षकों की जांच जरुरी है. बच्चों को स्कूल भेजने से पहले पालकों की अनुमति आवश्यक है. ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प रखा गया है. एक दिन बाद छात्रों को स्कूल में बुलाएं, उनका सभी फर्नीचर सैनिटाइज करना जरुरी है, छात्र एक-दूसरे की सामग्री इस्तेमाल न करें, मास्क पहनें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन आदि के बारे में शिक्षक मार्गदर्शन करें, तंदुरुस्त रहने के लिए दौड़ व शारीरिक व्यायाम करवाएं, प्रतिबंधित क्षेत्र के छात्र व शिक्षकों को प्रवेश न दें, किसी में कोरोना के लक्षण पाए जाने पर तुरंत 07232-239515 नंबर पर संपर्क करें. जिले में कुल मिलाकर 770 स्कूल, 3855 कक्षा कमरे, 3397 शिक्षक तथा 9वीं-10वीं के 89988 व 11वीं-12वीं के 59797 छात्र हैं. ऐसी जानकारी सीईओ डॉ. पांचाल ने दी.

शीतकालीन सत्र के पहले विदर्भ के प्रश्न हल करें

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मणिकराव ठाकरे की मांग

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

यवतमाल - हर साल शीतकालीन सत्र का आयोजन नागपुर में किया जाता है. जिसमें विदर्भ के महत्व के प्रश्नों पर चर्चा कर प्रश्नोंका निराकरण किया जाता है. किंतु इस साल नागपुर स्थित शीतकालीन सत्र स्थगित कर दिया गया. अब यह सत्र मुंबई में होगा. मुंबई शीतकालीन सत्र के पहले विदर्भ के प्रश्न छोडे जाए ऐसी मांग पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माणिकराव ठाकरे ने राज्य के मुख्यमंत्री उध्दव ठाकरे से की है.

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष माणिकराव ठाकरे ने कहा कि विदर्भ व मराठवाडा की ओर सरकार व्दारा अनदेखी की गई जिसमें विदर्भ व मराठवाडा में असंतोष निर्माण हो सकता है. विदर्भ मराठवाडा परिसर में कपास, सोयाबीन, धान, उडद, मूंग, मक्का फसलों को अतिवृष्टि के कारण नुकसान हुआ है.

उन नुकसानग्रस्त किसानों की आवश्यकता है. किसानों की उपज खरीदी हेतु नाफेड, सीसीआय, पणन महासंघ, राज्य मार्के टींग, पणन महासंघ, राज्य मार्केटींग फेडरेशन इन संस्थाओं को सूचना देकर सहायता दिए जाने की भी मांग ठाकरे से की गई. उसी प्रकार विदर्भ में बोगस बीज की वजह से व जंगली पशुओं की द्वारा किसानों की फसलों को जो नुकसान हुआ है, उन किसानों की फसलों का सर्वे कर उन्हें मुआवजा देने की भी मांग कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष माणिकराव ठाकरे ने की. ठाकरे ने यह भी कहा कि विदर्भ के कामगार रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में चले गए थे. कोरोना महामारी के चलते सभी कामगार वापस आए है. इन बेरोजगार कामगारों को रोजगार की समस्या निर्माण हुई है. इन कामगारों के भी प्रश्न शीतकालीन सत्र के पहले छोडे जाए ऐसी मांग पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माणिकराव ठाकरे ने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से की.

किसानों के खाते में पहुंच गया मुआवजा

21,569 किसानों के खाते में जमा हुई मदद राशि

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

यवतमाल- जून से अक्तूबर माह के दौरान हुई अधिक बारिश से जिले के किसानों का करोड़ों का नुकसान हुआ. चार लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में नुकसान होने पर भी सरकार की प्राथमिक रिपोर्ट में 34,808 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र 33 फीसद से अधिक नुकसानग्रस्त होने की बात दर्ज है. ऐसे में राज्य सरकार ने जिले की इस रिपोर्ट के अनुसार प्रति हेक्टेयर 10 हजार रूपये की मदद देना तय किया. किसानों के खाते में वह राशि जमा की जा रही है. दीपावली से पूर्व यह मदद बैंक खाते में जमा होने का आश्वासन मुख्यमंत्री ने दिया था. इसके अनुसार जिले के 49 हजार किसान मदद के लिए पात्र साबित हुए. इनमें से 21,569 किसानों के खाते में शुक्रवार को यह राशि जमा की गई. इसमें से आधे किसान अब भी मदद की प्रतीक्षा में हैं. ऐसे में कहीं खुशी कहीं कम का चित्र गांवों में दिखाई दे रहा है.

केवल 275 गांवों को ही मिलेगी मदद

जून से सितंबर में 212 गांवों में 33 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ. वहीं 61 गांवों में अक्तूबर माह में 65 मिमी से अधिक बारिश हुई. सरकार के नियमों के तहत जिले के दो हजार 39 गांवों में से 275 गांव मदद के लिए पात्र साबित हुए. वही 1764 गांव अब भी मदद के नियमों में नहीं आ पाए है. इस संदर्भ में पालकमंत्री ने सुधारित प्रस्ताव भेजा है.

लोनिवि को मिले 182 करोड़

8 माह से लंबित थे बिल

संवाददाता, 20 नवंबर

यवतमाल- गत आठ माह से निधी की प्रतिक्षा कर रहे लोकनिर्माण विभाग को दीपावली की पूर्व संध्या पर 182 करोड़ रूपए प्राप्त हुए. प्रत्यक्ष में मांग की अनुपात में यह राशि बेहद कम है. उसमें भी 100 करोड़ रूपए के अकेले मुंबई की ईगल कन्स्ट्रक्शन कंपनी को दिए गए. गत आठ माह से जिले में लोकनिर्माण विभाग में ठेकेदारों के करोड़ों के बिल लंबित थे. जिले में कई कार्य पूर्ण हुए है तो कुछ प्रगती पर और कुछ अंतिम चरण में है.

इन कामों की निधी नहीं दी गई थी. मार्च में राशि आई पर बीडीएस प्रणाली में तकनीकी खराबी के चलते यह राशी वापस चली गई, तबसे सभी को निधी की प्रतिक्षा थी.

दीपावली की पूर्व संध्या पर सरकार ने यह राशि दी. शुक्रवार की रात में जिले को 182 करोड़ रूपए प्राप्त हुए. इसमें सर्वाधिक 124 करोड़ रूपए हायब्रीड एन्युईटी अंतर्गत के कामों के है. इसमें एशियन डेवलपमेंट बैंक की आर्थिक सहायता से शुरू किए गए कामों को चार करोड़, केंद्रीय सड़क निधि के 32 करोड़ तथा बजट के 22 करोड़ रूपये का समावेश है. इसमें 100 करोड़ रूपए ईगल कंपनी को दिए गए. इस कंपनी के जरिए जिले में कुल 1156 करोड़ के काम शुरू है.

इसके पूर्व भी इस कंपनी को मार्च और जून-जुलाई को पैसे प्राप्त हुए थे. यह मुंबई की कंपनी है. कंपनी के प्रमुख लगातार मंत्रालय के संपर्क में रहने से उन्हें जिले में सर्वाधिक निधि मिलने की चर्चा है.

मांग के अनुरूप केवल 30 से 40 फीसद निधि प्राप्त होने से ठेकेदारों में नाराजगी होने की जानकारी है. उसमें भी बड़ी राशि मुंबई की एक ही कंपनी को दिए जाने से लोकनिर्माण विभाग उस पर अधिक मेहरबान होने चर्चा है. सभी जिलों में लोकनिर्माण विभाग की ओर से दीपावली के पूर्व निधि दी गई. ऐसे में सभी ठेकेदारों में चर्चा है कि महाविकास आघाडी अपने खास लागों पर ही मेहराबान है. उनसे टोल भी वसुला जा रहा है.

मुंबई की कंपनी किसी की नही सुनती!

मुंबई की ईगल कन्स्ट्रक्शन कंपनी को जिले में 1156 करोड़ के निमार्ण कार्य का ठेका दिया गया है. पर अधिकांश जगह यह कंपनी विवादग्रस्त साबित हुई है. काम में लापरवाही की कई शिकायतों के साथ ही कंपनी के कामों पर दुर्घटनाएं भी हुई है. पुसद, उमरखेड़, महागांव, तहसील में ईगल के कामों के बारे में सर्वाधिक शिकायतें है. दोनो तरफ से सड़क की खुदाई तथा सुरक्षा की उपाय योजना नहीं करने से दुर्घटनाएं बढ़ी है पर कंपनी किसी का कुछ भी सुनने को तैयार नही है.

सुरेश रेड्डी टेनिस वॉलीबॉल एसो. के अध्यक्ष बने

डॉ. व्यंकटेश वांगवाड़ बने मुख्याधिकारी

प्रतिनिधि, 20 नवंबर

यवतमाल- टेनिस वॉलीबॉल महाराष्ट्र एसो. की आमसभा नासिक में डॉ. व्यंकटेश वांगवाड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस बैठक में राज्य कार्यकारिणी का निर्विरोध चयन किया गया. टेनिस वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार कार्यकारिणी का चयन किया गया. चुनाव निरीक्षक की जिम्मेदारी अविनाश खैरनार तथा महासंघ निरीक्षक के तौर पर अशोक दुधारे उपस्थित थे.